Est

Chapter 8

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

בַּיּוֹם	הַהוּא	נָתַן	הַמֶּלֶךְ	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	לְאֶסְתֵּר	הַמַּלְכָּה	אֶת־	בֵּית	הָמָן	צֹרֵר
दिन-में	उस	दिया	राजा	अहश्वेरोश-ने	एस्तेर-को	रानी	को	भवन	हामान-का	शत्रु
H3117	H1931	H5414	H4428	H0325	H0635	H4436	H0853		H2001	

[היהודיים]	(הַיְּהוּדִים)	וּמָרְדֳּכַי	בָּא	לִפְנֵי	הַמֶּלֶךְ	כִּי־	הִגִּידָה	אֶסְתֵּר	מַה	הוּא־	לָהּ׃
यहूदियों-का	यहूदियों-का	और-मर्दकै	आया	सामने	राजा-के	क्योंकि	बताया-था	एस्तेर-ने	क्या	वह-था	उसका
H3064	H3064	H4782	H0935	H6440	H4428		H5046	H0635	H4100	H1931	

> उसी दिन महाराजा क्षयर्ष ने यहूदियों के शत्रु हामान के पास जो कुछ था, वह सब महारानी एस्तेर को दे दिया। एस्तेर ने राजा को बता दिया कि मोर्दकै रिश्ते में उसका भाई लगता है। इसके बाद मोर्दकै राजा से मिलने आया।

2

וַיָּסַר	הַמֶּלֶךְ	אֶת־	טַבַּעְתּוֹ	אֲשֶׁר	הֶעֱבִיר	מֵהָמָן	וַיִּתְּנָהּ	לְמָרְדֳּכָי
तो-उतारी	राजा-ने	को	अपनी-मुद्रिका-अंगूठी	जो	ली-थी-उसने	हामान-से	और-दी-उसे	मर्दकै-को
H5493	H4428	H0853	H2885			H2001	H5414	H4782

וַתָּשֶׂם	אֶסְתֵּר	אֶת־	מָרְדֳּכַי	עַל־	בֵּית	הָמָן׃	פ
और-नियुक्त-किया	एस्तेर-ने	को	मर्दकै	पर	भवन	हामान-के	—
	H0635	H0853	H4782			H2001	

> राजा ने हामान से अपनी जो अँगूठी वापस ले ली थी, उसे अपनी अँगूली से निकाल कर मोर्दकै को दे दिया। इसके बाद एस्तेर ने मोर्दकै को हामान की सारी सम्पत्ति का अधिकारी नियुक्त कर दिया।

3

וַתּוֹסֶף	אֶסְתֵּר	וַתְּדַבֵּר	לִפְנֵי	הַמֶּלֶךְ	וַתִּפֹּל	לִפְנֵי	רַגְלָיו	וַתֵּבְךְּ	וַתִּתְחַנֶּן־
और-फिर-से	एस्तेर-ने	और-बोली	सामने	राजा-के	और-गिरी	पास	उसके-पैरों-के	और-आँसू-से	और-विनती-की
H3254	H0635	H1696	H6440	H4428	H5307	H6440	H7272	H1058	

לוֹ	לְהַעֲבִיר	אֶת־	רָעַת	הָמָן	הָאֲגָגִי	וְאֵת	מַחֲשַׁבְתּוֹ	אֲשֶׁר	חָשַׁב	עַל־
उससे	रद्द-करने-को	को	बुराई	हामान-की	अगागी	और	उसकी-योजना	जो	बनाई-थी-उसने	के-विरुद्ध
		H0853		H2001	H0091	H0853	H4284		H2803	

הַיְּהוּדִים׃
यहूदियों
H3064

> तब एस्तेर ने राजा से फिर कहा और वह राजा के पैरों में गिर कर रोने लगी। उसने राजा से प्रार्थना की कि वह अगागी हामान की उस बुरी योजना को समाप्त कर दे जिसे हामान ने यहूदियों के नाश के लिए सोचा था।

4

וַיּוֹשֶׁט	הַמֶּלֶךְ	לְאֶסְתֵּר	אֵת	שַׁרְבִט	הַזָּהָב	וַתָּקָם	אֶסְתֵּר	וַתַּעֲמֹד	לִפְנֵי	הַמֶּלֶךְ׃
और-बढ़ाया	राजा-ने	एस्तेर-की-ओर	को	राजदण्ड	सोने-का	तो-उठी	एस्तेर	और-खड़ी-हुई	सामने	राजा-के
H3447	H4428	H0635	H0853	H8275	H2091		H0635	H5975	H6440	H4428

> इस पर राजा ने अपने सोने के राजदण्ड को एस्तेर की ओर आगे बढ़ाया। एस्तेर उठी और राजा के आगे खड़ी हो गयी।

5

וַתֹּאמֶר	אִם־	עַל־	הַמֶּלֶךְ	טוֹב	וְאִם־	מָצָאתִי	חֵן	לְפָנָיו	וְכָשֵׁר	הַדָּבָר	לִפְנֵי
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
H0559			H4428			H4672	H2580	H6440	H3787	H1697	H6440

הַמֶּלֶךְ	וְטוֹבָה	אֲנִי	בְּעֵינָיו	יִכָּתֵב	לְהָשִׁיב	אֶת־	הַסְּפָרִים	מַחֲשֶׁבֶת	הָמָן	בֶּן־	הַמְּדָתָא
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	
H4428		H0589		H3789	H7725	H0853		H4284	H2001		H4099

הָאֲגָגִי	אֲשֶׁר	כָּתַב	לְאַבֵּד	אֶת־	הַיְּהוּדִים	אֲשֶׁר	בְּכָל־	מְדִינוֹת	הַמֶּלֶךְ׃
—	—	—	नाश-करने-को	को	यहूदियों	जो	सब	प्रान्तों-में	राजा-के
H0091		H3789	H0006	H0853	H3064		H3605	H4082	H4428

फिर एस्तेर ने कहा, “महाराज, यदि तुम मुझे पसंद करते हो और यह तुम्हें अच्छा लगता है तो कृपा करके मेरे लिए यह कर दीजिये। यदि आपको यह किया जाना ठीक लगे तो इसे परा कर दीजिये। यदि आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके एक आदेश पत्र लिखिये, जो उस आदेश पत्र को रद्द कर दे जिसे हामान ने भेजा था। अगागी हामान ने राजा के सभी प्रांतों में बसे यहूदियों को नष्ट करने की एक योजना सोची थी और उस योजना को क्रियान्वित करने के लिए उसने आज्ञा पत्र भिजवा दिये थे।

6

כִּי	אֵיכָכָה	אוּכַל	וְרָאִיתִי	בָּרָעָה	אֲשֶׁר־	יִמְצָא	אֶת־	עַמִּי	וְאֵיכָכָה
क्योंकि	कैसे	मैं-सह-सकती-हूँ	और-देखूँ	बुराई	जो	आएगी	पर	मेरी-प्रजा	या-कैसे
		H3201	H7200			H4672	H0853		

אוּכַל	וְרָאִיתִי	בְּאָבְדַן	מוֹלַדְתִּי׃	ס
मैं-सह-सकती-हूँ	और-देखूँ	विनाश	मेरे-स्वजनों-का	—
H3201	H7200	H0013	H4138	

मैं महाराज से यह प्रार्थना इसलिए कर रही हूँ कि मैं अपने लोगों के साथ उस भयानक काण्ड को घटते देखना सहन नहीं कर पाऊँगी। मैं अपने परिवार की हत्या को देखना सहन नहीं कर पाऊँगी।”

7

וַיֹּאמֶר	הַמֶּלֶךְ	אֲחַשְׁוֵרֹשׁ	לְאֶסְתֵּר	הַמַּלְכָּה	וּלְמָרְדֳּכַי	הַיְּהוּדִי	הִנֵּה	בֵית־	הָמָן
और-कहा	राजा	अहश्वेरोश-ने	एस्तेर-से	रानी	और-मर्दकै-से	यहूदी	देखो	भवन	हामान-का
H0559	H4428	H0325	H0635	H4436	H4782	H3064	H2009		H2001

נָתַתִּי	לְאֶסְתֵּר	וְאֹתוֹ	תָּלוּ	עַל־	הָעֵץ	עַל	אֲשֶׁר־	שָׁלַח	יָדוֹ
दिया-है-मैंने	एस्तेर-को	और-उसे	लटकाया-है-उन्होंने	पर	फाँसी	इसलिए	कि	डाला-था-उसने	अपना-हाथ
H5414	H0635	H0853	H8518		H6086			H7971	H3027

[ביהודיים]	(בַּיְּהוּדִים׃)
यहूदियों-पर	यहूदियों-पर
H3064	H3064

महाराजा क्षयर्ष ने महारानी एस्तेर और यहूदी मोर्दकै को उत्तर देते हुए जो कहा था, वह यह है, “हामान, क्योंकि यहूदियों के विरोध में था, इसलिए उसकी सम्पत्ति मैंने एस्तेर को दे दी तथा मेरे सिपाहियों ने उसे फाँसी देने के खम्भे पर लटका दिया।

8

וְאַתֶּם	כִּתְבוּ	עַל־	הַיְּהוּדִים	כַּטּוֹב	בְּעֵינֵיכֶם	בְּשֵׁם	הַמֶּלֶךְ	וְחִתְמוּ
और-तुम	लिखो-आज्ञा	के-बारे-में	यहूदियों	जैसा	तुम्हें-अच्छा-लगे	नाम-से	राजा-के	और-मुहर-करो
	H3789		H3064			H8034	H4428	H2856

בְּטַבַּעַת	הַמֶּלֶךְ	כִּי־	כְתָב	אֲשֶׁר־	נִכְתָּב	בְּשֵׁם־	הַמֶּלֶךְ	וְנַחְתּוֹם	בְּטַבַּעַת
मुद्रिका-अंगूठी-से	राजा-की	क्योंकि	जो	जो	लिखा-जाता-है	नाम-से	राजा-के	और-मुहर	मुद्रिका-अंगूठी-से
H2885	H4428		H3791		H3789	H8034	H4428	H2856	H2885

הַמֶּלֶךְ	אֵין	לְהָשִׁיב׃
राजा-की	कोई-नहीं	रद्द-कर-सकता
H4428	H0369	H7725

अब राजा की ओर से एक और दूसरा आज्ञा पत्र लिखा जाये। इसे तुम्हें यहूदियों की सहायता के लिए जो सबसे अच्छा लगे वैसी ही लिखो। फिर राजा की विशेष अँगूठी से उस आज्ञा पर मुहर लगा दो। राजा की ओर से लिखा गया और राजा की अँगूठी से जिस पर मुहर दी गयी हो, ऐसा कोई भी राजकीय पत्र रद्द नहीं किया जा सकता।”

9 וַיִּקָּרְאוּ	—	H7121
סֹפְרֵי־	—	
הַמֶּלֶךְ	—	H4428
בָּעֵת־	—	H6256
הַהִיא	—	H1931
בַּחֹדֶשׁ	—	H2320
הַשְּׁלִישִׁי	—	H7992
הוּא־	—	H1931
חֹדֶשׁ	—	H2320
סִיוָן	—	H5510
בִּשְׁלוֹשָׁה	—	H7969
וְעֶשְׂרִים	—	H6242
בּוֹ	—	
וַיִּכָּתֵב	—	H3789
כְּכָל־	—	H3605
אֲשֶׁר־	—	
צִוָּה	—	H6680
מָרְדֳּכַי	—	H4782
אֶל־	—	H0413
הַיְּהוּדִים	—	H3064
וְאֶל	—	H0413
הָאֲחַשְׁדַּרְפְּנִים־	—	H0323
וְהַפַּחוֹת	—	H6346
וְשָׂרֵי	—	H8269
הַמְּדִינוֹת	—	H4082
אֲשֶׁר	—	
מֵהֹדּוּ	—	H1912
וְעַד־	—	H5704
כּוּשׁ	—	
שֶׁבַע	—	H7651
וְעֶשְׂרִים	—	H6242
וּמֵאָה	—	H3967
מְדִינָה	—	H4082
מְדִינָה	प्रत्येक	H4082
וּמְדִינָה	और-प्रत्येक-प्रान्त	H4082
כִּכְתָבָהּ	उसकी-लिपि-में	H3791
וְעַם	और	
וָעָם	प्रत्येक-जाति	
כִּלְשֹׁנוֹ	उनकी-भाषा-में	H3956
וְאֶל־	और-को	H0413
הַיְּהוּדִים	यहूदियों	H3064
כִּכְתָבָם	उनकी-लिपि-में	H3789
וְכִלְשׁוֹנָם׃	और-भाषा-में	H3956

> राजा के सचिवों को तत्काल बुलाया गया। सीवान नाम के तीसरे महीने की तेईसवीं तारीख को वह आदेश पत्र लिखा गया। यहूदियों के लिये मोर्दकै के सभी आदेशों को सचिवों ने लिखकर यहूदियों, मुखियाओं, राज्यपालों और एक सौ सत्ताईस प्रांतो के अधिकारियों के पास पहुँचा दिया। ये प्रांत भारत से लेकर कूश तक फैले हुए थे। ये आदेश पत्र हर प्रांत की लिपि और भाषा में लिखे गये थे और हर देश के लोगों की भाषा में उसका अनुवाद किया गया था। यहूदियों के लिये ये आदेश उन की अपनी भाषा और उनकी अपनी लिपि में लिखे गये थे।

10 וַיִּכְתֹּב	और-लिखा-उसने	H3789
בְּשֵׁם	नाम-से	H8034
הַמֶּלֶךְ	राजा	H4428
אֲחַשְׁוֵרֹשׁ	अहश्वेरोश-के	H0325
וַיַּחְתֹּם	और-मुहर-किया	H2856
בְּטַבַּעַת	मुद्रिका-अंगूठी-से	H2885
הַמֶּלֶךְ	राजा-की	H4428
וַיִּשְׁלַח	और-भेजे	H7971
סְפָרִים	पत्र	
בְּיַד	हाथ-से	H3027
הָרָצִים	दौड़नेवालों-के	H7323
בַסּוּסִים	घोड़ों-पर	
רֹכְבֵי	सवार	H7392
הָרֶכֶשׁ	तेज़-घोड़ों	H7409
הָאֲחַשְׁתְּרָנִים	राजकीय	H0327
בְּנֵי	जन्मे-हुए	
הָרַמָּכִים׃	श्रेष्ठ-घोड़ों-से	H7424

> मोर्दकै ने ये आदेश महाराजा क्षयर्ष की ओर से लिखे थे और फिर उन पत्रों पर उसने राजा की अँगूठी से मुहर लगा दी थी। फिर उन पत्रों को उसने तीव्र घुड़सवार सन्देश वाहकों के द्वारा भिजवा दिया। ये सन्देश वाहक उन घोड़ों पर सवार थे जिन्हें विशेष राजा के लिए पाला—पोसा गया था।

11 אֲשֶׁר	इन-पत्रों-से	
נָתַן	अनुमति-दी	H5414
הַמֶּלֶךְ	राजा-ने	H4428
לַיְּהוּדִים	यहूदियों-को	H3064
אֲשֶׁר	जो	
בְּכָל־	प्रत्येक	H3605
עִיר־	नगर	
וָעִיר	और-नगर-में	
לְהִקָּהֵל	इकट्ठा-होने	H6950
וְלַעֲמֹד	और-रक्षा-करने	H5975
עַל־	को	
נַפְשָׁם	अपने-प्राणों	H5315
לְהַשְׁמִיד	नाश-करने	H8045
וְלַהֲרֹג	और-मारने	H2026
וּלְאַבֵּד	और-मिटाने	H0006
אֶת־	को	H0853
כָּל־	सब	H3605
חֵיל	सैना	H2428
עַם	जाति-की	
וּמְדִינָה	या-प्रान्त-की	H4082
הַצָּרִים	जो-हमला-करते	
אֹתָם	उन-पर	H0853
טַף	बाल-बच्चों	H2945
וְנָשִׁים	और-स्त्रियों	H0802
וּשְׁלָלָם	और-उनकी-संपत्ति	H7998
לָבוֹז׃	लूटने-को	H0962

> उन पत्रों पर राजा के ये आदेश लिखे थे: यहूदियों को हर नगर में आपस में एक जुट होकर अपनी रक्षा करने का अधिकार है। उन्हें अधिकार है कि वे किसी भी प्रांत और समूह के लोगों की ऐसी किसी भी सेना को छिन्न—भिन्न कर दें, मार डालें अथवा पूरी तरह नष्ट कर दें जो उन पर, उनकी स्त्रियों पर, और उनके बच्चों पर आक्रमण कर रही हो। यहूदियों को अधिकार है कि वे अपने शत्रुओं की सम्पत्ति को ले लें और उसे नष्ट कर डालें।

12 בְּיוֹם	दिन-में	H3117
אֶחָד	एक	H0259
בְּכָל־	सब	H3605
מְדִינוֹת	प्रान्तों-में	H4082
הַמֶּלֶךְ	राजा	H4428
אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	अहश्वेरोश-के	H0325
בִּשְׁלוֹשָׁה	तीन	H7969
עָשָׂר	और-दस-दिन	H6240
לְחֹדֶשׁ	महीने-के	H2320
שְׁנֵים־	दो	H8147
עָשָׂר	और-दस	H6240
הוּא־	वह	H1931
חֹדֶשׁ	महीना	H2320
אֲדָר׃	अदार-का	H0143

> जब यहूदियों के लिये ऐसा किया जायेगा, उसके लिये उदार नाम के बारहवें महीने की तेरहवीं तारीख का दिन निश्चित किया गया। महाराजा क्षयर्ष के अपने सभी प्रांतों में यहूदियों को ऐसा करने की अनुमति दे दी गयी।

13

Hebrew	Hindi	Strong
פַּתְשֶׁ֣גֶן	प्रतिलिपि	
הַכְּתָ֗ב	दस्तावेज़-की	H3791
לְהִנָּתֵ֤ן	दी-जानी-थी	H5414
דָּת֙	आज्ञा-के-रूप-में	H1881
בְּכָל־	प्रत्येक	H3605
מְדִינָ֣ה	प्रान्त	H4082
וּמְדִינָ֔ה	और-प्रान्त-में	H4082
גָּל֖וּי	और-खुले-आम	H1540
לְכָל־	सब	H3605
הָֽעַמִּ֑ים	लोगों-के-लिए	
וְלִהְי֨וֹת	ताकि-हों	H1961
]היהודיים[	यहूदी	H3064
)הַיְּהוּדִ֧ים(	यहूदी	H3064
]עתודים[	—	H6259
)עֲתִידִ֛ים(	तैयार	H6264
לַיּ֣וֹם	दिन-को	H3117
הַזֶּ֔ה	इस	H2088
לְהִנָּקֵ֖ם	बदला-लेने-को	H5358
מֵאֹיְבֵיהֶֽם׃	अपने-शत्रुओं-से	H0341

> इस पत्र की एक प्रति राजा के आदेश के साथ हर प्रांत को बाहर भेजी जानी थी। यह एक नियम बन गया। हर प्रांत में इसने नियम का रुप ले लिया। राज्य में रहने वाली प्रत्येक जाति के लोगों के बीच इसका प्रचार किया गया। उन्होंने ऐसा इसलिये किया जिससे उस विशेष दिन के लिये यहूदी तैयार हो जायें जब यहूदियों को अपने शत्रुओं से बदला लेने की अनुमति दे दी जाएगी।

14

Hebrew	Hindi	Strong
הָֽרָצִ֞ים	—	H7323
רֹכְבֵ֤י	—	H7392
הָרֶ֙כֶשׁ֙	—	H7409
הָֽאֲחַשְׁתְּרָנִ֔ים	—	H0327
יָצְא֛וּ	—	H3318
מְבֹהָלִ֥ים	—	H0926
וּדְחוּפִ֖ים	—	H1765
בִּדְבַ֣ר	—	H1697
הַמֶּ֑לֶךְ	—	H4428
וְהַדָּ֥ת	—	H1881
נִתְּנָ֖ה	—	H5414
בְּשׁוּשַׁ֥ן	—	H7800
הַבִּירָֽה׃	—	H1002
פ	—	

> राजा के घोड़ों पर सवार सन्देश वाहक जल्दी से बाहर निकल गये। उन्हें राजा ने आज्ञा दी थी कि जल्दी करें। वह आज्ञा शूशन की राजधानी नगरी में भी लगा दी गयी।

15

Hebrew	Hindi	Strong
וּמָרְדֳּכַ֞י	तो-मर्दकै	H4782
יָצָ֣א	निकला	H3318
מִלִּפְנֵ֣י	सामने-से	H6440
הַמֶּ֗לֶךְ	राजा-के	H4428
בִּלְב֤וּשׁ	वस्त्र-में	H3830
מַלְכוּת֙	राजकीय	H4438
תְּכֵ֣לֶת	नीले	H8504
וָח֔וּר	और-सफेद	H2353
וַעֲטֶ֤רֶת	और-मुकुट	H5850
זָהָב֙	सोने-का	H2091
גְּדוֹלָ֔ה	बड़ा	
וְתַכְרִ֥יךְ	और-वस्त्र	H8509
בּ֖וּץ	मलमल	H0948
וְאַרְגָּמָ֑ן	और-बैंगनी-का	H0713
וְהָעִ֣יר	और-नगर	
שׁוּשָׁ֔ן	शूशन	H7800
צָהֲלָ֖ה	खुशी-मनाया	
וְשָׂמֵֽחָה׃	और-आनन्दित-हुआ	H8055

> फिर मोर्दकै राजा के पास से चला गया। मोर्दकै ने राजा से प्राप्त वस्त्र धारण किये हुए थे। उसके कपड़े नीले और सफेद रंग के थे। उसने एक लम्बा सोने का मुकुट पहन रखा था। बढ़िया सूत का बना हुआ बैगनी रंग का चोगा भी उसके पास था। शूशन की राजधानी नगरी में विशेष समारोह हो रहा था। लोग बहुत खुश थे।

16

Hebrew	Hindi	Strong
לַיְּהוּדִ֕ים	यहूदियों-के-लिए	H3064
הָֽיְתָ֥ה	था	H1961
אוֹרָ֖ה	प्रकाश	
וְשִׂמְחָ֑ה	और-आनन्द	H8057
וְשָׂשֹׂ֖ן	और-खुशी	H8342
וִיקָֽר׃	और-सम्मान	H3366

> यहूदियों के लिये तो यह विशेष प्रसन्नता का दिन था। यह आनन्द प्रसन्नता और बड़े सम्मान का दिन था।

17

Hebrew	Hindi	Strong
וּבְכָל־	और-प्रत्येक	H3605
מְדִינָ֨ה	प्रान्त	H4082
וּמְדִינָ֜ה	और-प्रान्त-में	H4082
וּבְכָל־	और-प्रत्येक	H3605
עִ֣יר	नगर	
וָעִ֗יר	और-नगर-में	
מְקוֹם֙	जहाँ	H4725
אֲשֶׁ֨ר	जहाँ	
דְּבַר־	आज्ञा	H1697
הַמֶּ֤לֶךְ	राजा-की	H4428
וְדָתוֹ֙	और-आज्ञा	H1881
מַגִּ֔יעַ	आई	H5060
שִׂמְחָ֤ה	आनन्द	H8057
וְשָׂשׂוֹן֙	और-खुशी	H8342
לַיְּהוּדִ֔ים	यहूदियों-को	H3064
מִשְׁתֶּ֖ה	भोज	H4960
וְי֣וֹם	और-दिन	H3117
ט֑וֹב	उत्तम	
וְרַבִּ֞ים	और-बहुतेरे	
מֵעַמֵּ֤י	लोगों-से	
הָאָ֙רֶץ֙	देश-के	H0776
מִֽתְיַהֲדִ֔ים	यहूदी-बन-गए	H3054
כִּֽי־	क्योंकि	
נָפַ֥ל	गिरा	H5307
פַּֽחַד־	भय	H6343
הַיְּהוּדִ֖ים	यहूदियों-का	H3064
עֲלֵיהֶֽם׃	उन-पर	

> जहाँ कहीं भी किसी प्रांत या किसी भी नगर में राजा का वह आदेश पत्र पहुँचा, यहूदियों में आनन्द और प्रसन्नता की लहर दौड़ गयी। यहूदी भोज दे रहे थे और उत्सव मना रहे थे और दूसरे बहुत से सामान्य लोग यहूदी बन गये। क्योंकि वे यहूदियों से बहुत डरा करते थे, इसीलिए उन्होंने ऐसा किया।